(2) विभिन्न स्तरों पर संस्कृत शिक्षा की पद्धति, पाठ्यक्रमों, शिक्षण तथा ऐसे ही अन्य कार्यकलापों में समन्वय, पाठ्यविवरणों, परीक्षाओं और उपाधियों के मानकीकरण, विभिन्न प्रकार के अध्यापकों की योग्यताएं और उन के प्रशिक्षण की व्यवस्था के सम्बन्ध में ;

(3) शिक्षा की पाठशाला पद्धति और ग़ैर-सरकारी तौर पर संचालित अनुसंधान संस्थानों के विकास और सुधार के लिए अपनाई जाने वाली प्रणालियों के सम्बन्ध में ;

(4) प्रार्थना किए जाने पर, उच्च पाठशालाओं में अनुसंधान विभाग खोलने और पाठशालाओं के विद्यार्थियों को अनुसंधान छाववृत्तियां तथा वृत्तिकाएं प्रदान करने के प्रश्न पर ;

(5) सुधरी हुई संस्कृत पाठ्य-पुस्तकों के निर्माण और प्रकाशनार्थ अपनाई जाने वाली विधि के संबंध में ;

(6) पंडितों को राज्य-सम्मान और पुरस्कार प्रदान करने तथा ऐसे सम्मानों और पुरस्कारों के लिए संस्कृत विद्वानों के नाम सुझाने के सम्बन्ध में ; और

(7) मण्डल को भेजे गए, संस्कृत के विकास और प्रचारार्थ सहायक-अनुदान से सम्बन्धित मामलों पर ।

भारत सरकार के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त, मंडल के सभी सदस्य, प्रायः प्रख्यात संस्कृत विद्वानों में से नियुक्त किये जाते हैं ।

**संस्कृत संगठनों को सहायता**

1809. **श्री रामेश्वरानन्द :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री ओंकार लाल बेरवा :**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने 1963-64 में स्वयंसेवी संस्कृत संगठनों को कितनी रकम दी ; और

(ख) उस का क्या ब्यौरा है ?

**शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन)** : (क) 5,90,372 रुपये ।

(ख) विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है । **[पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल0 टी0--3724/64]** ।

**गुरुकुलों को सहायता**

1810. **श्री रामेश्वरानन्द :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री ओंकार लाल बेरवा :**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में विभिन्न गुरुकुलों की उन्नति के लिये केन्द्रीय सरकार प्रति वर्ष कितनी रकम का अनुदान देती है ;

(ख) किन-किन गुरुकुलों को केन्द्रीय सरकार कोई अनुदान नहीं देती ; और

(ग) इस के क्या कारण हैं ?

**शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन)** : (क) से (ग). संस्कृत के प्रसार के लिए संस्कृत गुरुकुलों को वित्तीय सहायत

की इस मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत केवल उन्हीं 11 संस्थाओं को अनुदान दिए जाते हैं जिन्हें केन्द्रीय संस्कृत मंडल के परामर्श से गुरुकुलों के रूप में मान्यता दी गई है। इस योजना के अधीन प्रत्येक वर्ष अनुमोदित मदों पर होने वाले वास्तविक व्यय का केवल 60 प्रतिशत वित्तीय सहायता के रूप में दिया जाता है।

**Mysterious Callers in R. K. Puram, New Delhi**

1811. **Shrimati Savitri Nigam:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether Government have made any inquiries regarding the mysterious callers at the doors of some inhabitants of Ramakrishnapuram, New Delhi on the 8th December, 1964; and

(b) if so, the result thereof?

**The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Misra):** (a) and (b). An urgent call was received at 11:45 P.M. in the Control Room on the 7th December, 1964, from certain residents of Ramakrishnapuram. The Deputy Superintendent of Police on duty immediately rushed to the spot and found that three persons who were observed moving under suspicious circumstances, had been apprehended by the residents. On interrogation, however, it was established that these persons had come to visit an acquaintance living in a Government Quarter in that locality. They were, therefore, allowed to go after necessary enquiries.

**Law on Management of Gurdwaras**

1812. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether the working Committee of the Nationalist Sikh Party has asked Government to enact a law to cover all the gurdwaras in the country and ban the election of persons with political background to the Managing Committees of the Gurdwaras; and

(b) if so, the action taken or proposed to be taken in the matter?

**The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi):** (a) Yes, Sir.

(b) The suggestions made will be considered in due course.

**विदेशी भाषा संस्थान**

1813. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के किन-किन विश्वविद्यालयों, संस्थानों में रूसी, जर्मन, फ्रेंच, अरबी, चीनी, स्वाहिली, बर्मी, सिंहली और इंडोनेशियाई भाषायें पढ़ाने की सुविधायें हैं ;

(ख) क्या 'विदेशी भाषाओं' को अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं, दोनों ही माध्यमों से पढ़ाने के लिये एक विदेशी भाषा संस्थान स्थापित करने के प्रश्न पर सरकार ने विचार किया है ; और

(ग) यदि हां, तो वह सम्भवतः कब स्थापित किया जायेगा ?

**शिक्षा मंत्री (श्री म० क० चागला) :** (क) विश्वविद्यालयों और रक्षा मंत्रालय के "स्कूल आफ फोरेन लैंग्वेजिज" में उपलब्ध पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है। [**रुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल० टी०—3725/64**]।

(ख) और (ग). अंग्रेजी और हिन्दी दोनों माध्यमों से विदेशी भाषाएं पढ़ाने के लिए एक विदेशी भाषा संस्थान स्थापित करने का कोई विचार नहीं है।

**Refugee Camps**

1815. **Shrimati Renuka Barkataki:** Will the Minister of **Rehabilitation** be pleased to state:

(a) whether Government have decided to increase the number of